प्रेस विज्ञप्ति
दिनांक 10 अप्रैल, 2008

उल्लेखनीय उपलब्धियां 2007–08

प्रचालनात्मक उत्कृष्टता

- कोयला आधारित विद्युत संयंत्रों ने पिछले वर्ष 89.43% की तुलना में अब तक के सर्वाधिक 92.24% के पीएलएफ पर निष्पादन किया।

- एनटीपीसी दादरी (कोयला) द्वारा 98.02% का अब तक का रिकार्ड पीएलएफ दर्ज।

- दस कोयला–आधारित विद्युत संयंत्रों ने 90% से अधिक का पीएलएफ प्राप्त किया।

- ऊँचाहार विद्युत संयंत्र का कायाकल्प। अधिग्रहण के समय 18% का पीएलएफ बढ़कर वर्तमान में 97.69% हुआ।

- अब तक का 200.86 बिलियन यूनिट विद्युत का उच्चतम उत्पादन। पिछले वर्ष की तुलना में 6.46% की वृद्धि दर्ज।

- वर्ष 2007–08 के दौरान देश की कुल संस्थापित क्षमता के 19.11% हिस्से के साथ देश के कुल विद्युत उत्पादन में 28.51% का योगदान।

सुदृढ़ वित्त व्यवस्था

- वर्ष 2007–08 के दौरान 370,046 मिलियन रुपये की अनन्तिम और अलेखापरीक्षित निवल बिक्री, जो कि 325,952 मिलियन रुपये के मुकाबले 13.53% की वृद्धि है। वर्ष 2007–08 के दौरान 398,734 मिलियन रुपये का अनन्तिम और अलेखापरीक्षित सकल राजस्व 12.70% बढ़ा जो कि पिछले वर्ष 2006–07 में 353,807 मिलियन रुपये था।

- वर्ष 2007–08 के दौरान अनन्तिम और अलेखापरीक्षित कर–पश्चात लाभ 71,293 मिलियन रुपये है, जो कि पिछले वर्ष 2006–07 में 68,647 मिलियन रुपये रहा। समायोजित अनन्तिम और अलेखापरीक्षित कर पश्चात लाभ 2007–08 के लिए 74,056 मिलियन रुपये है। यह वर्ष 2006–07 के समायोजित अंकेक्षित लाभ 65,620 मिलियन रुपये से 12.86% अधिक है जो प्रोत्साहन राशि, वेतन वृद्धि एवं अन्य (वन आफ आइटम) के प्रावधानों के बाद है।

- अब तक का सर्वाधिक 27% का उच्चतम अंतरिम लाभांश। यह राशि 22262.8 मिलियन रुपये है।

- कारपोरेट टैक्स, डिविडेन्ट एवं डिविडेन्ट पर टैक्स एवं सम्पदा कर के रूप में राजकोष में 56898 मिलियन रूपये का योगदान।

- 31 मार्च 2008 को कंपनी का अद्यतन बाजार पूँजीकरण 1621 बिलियन रुपए (यूएस डालर 40.33 बिलियन) होने से कंपनी तीसरी सबसे बड़ी कम्पनी बन गई है।

- वर्ष 2007–08 के दौरान अब तक का सर्वाधिक 86,210 मिलियन रुपये का पूँजीगत व्यय।

- लगातार पाँचवे वर्ष बिलिंग की शत–प्रतिशत वसूली।

- 1980 मेगावाट क्षमता वाले बाढ़ सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट स्टेज–I, बिहार के लिए एनटीपीसी ने जापान बैंक ऑफ कारपोरेशन (जेबीआईसी) के साथ आंशिक वित्तीय सुविधा के रूप में 380 मिलियन यूएस डालर (अनुमानित 15,272 मिलियन रुपये) के लिए ऋण समझौते को अंतिम रूप दिया।

- नार्डिक इंवेस्टमेंट बैंक (एनआईबी) के साथ 15 फरवरी 2008 को 68.563 मिलियन यूरो (यूएस डालर 100 मिलियन या 4361 मिलियन रुपये के समकक्ष) ऋण समझौता। यह राशि आंशिक रूप से पूंजीगत परिव्ययों के लिए खर्च की जाएगी।

- 26.12.2007 को एलआइसी के साथ 10,000 मिलियन रुपये ऋण का समझौता । यह राशि विद्युत परियोजनाओं, कोयला खनन, नवीकरण एवं आधुनिकीकरण तथा एलएनजी व्यापार के लिए खर्च किया जाएगा ।

- घरेलू बैंकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों से 34,750 मिलियन रुपये के नये ऋण अनुबंध।

- वर्ष 2007–08 के दौरान एनटीपीसी ने 5000 मिलियन रूपये की राशि के प्रत्येक सीरिज XXV एवं XXVI बॉन्ड लाइफ इंश्योरेंश कारपोरेशन ऑफ इण्डिया को परियोजनों के पूँजीगत परिव्ययों के लिए जारी किए।

तीव्र विकास

(क) क्षमता वृद्धि

- एनटीपीसी की वर्ष 2012 तक 50,000 मेगावाट और वर्ष 2017 तक 75,000 मेगावाट से अधिक क्षमता वाली कंपनी बनने की योजना है।

- संस्थान की वर्तमान क्षमता 29,144 मेगावाट है जिसमें संयुक्त उपक्रमों की 1794 मेगावाट की क्षमता शामिल है।

- 16,930 मेगावाट की क्षमता निर्माणाधीन।

- **नई परियोजनाएं** – 5570 मेगावाट के लिए निवेश अनुमोदन प्रदान किया गया। 6570 मेगावाट की परियोजनाओं का ठेका दिया गया। वर्ष के दौरान कुल 3300 मेगावाट की परियोजनाएं स्थापित करने के लिए संयुक्त उपक्रम करारों पर हस्ताक्षर किए गये।

- जल विद्युत उत्पादन पर बल दिए जाने में गति आई – हिमाचल प्रदेश में कोलडैम (800 मेगावाट), उत्तराखंड में लोहारीनाग–पाला (600 मेगावाट) और तपोवन विष्णुगाड (520 मेगावाट) में जल विद्युत संयंत्र निर्माणाधीन हैं।

- नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से लगभग 500 मेगावाट की विद्युत उत्पादन क्षमता की स्थापना के लिए एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

- बिहार के नबीनगर में 3×660 मेगावाट की परियोजना स्थापित करने के लिए एनटीपीसी और बिहार राज्य विद्युत मंडल के बीच संयुक्त उपक्रम समझौते पर हस्ताक्षर किये गये।

- उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद क्षेत्र में मेजा तहसील में 2×660 मेगावाट की विद्युत परियोजना स्थापित करने के लिए यूपीआरवीयूएनएल के साथ संयुक्त उपक्रम करार पर हस्ताक्षर किये गये।

- नबीनगर (बिहार) में 1000 मेगावाट के कोयला आधारित विद्युत संयंत्र की स्थापना करने के लिए रेलवे के साथ "भारतीय रेल बिजली कंपनी लिमिटेड" नामक एक संयुक्त उपक्रम कंपनी (एनटीपीसी की सहायक कंपनी) निगमित की गई।

(ख) ईंधन संरक्षा

- पकरी–बरवाडीह ब्लॉक के लिए झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से स्वीकृति प्राप्त की गई है।

- चट्टी–बरियातु (7 एमटीपीए) और केरन्दारी (6 एमटीपीए) के लिए कोयला मंत्रालय को खनन योजना प्रस्तुत।

- कोयला मंत्रालय, ने एनटीपीसी को चट्टी–बरियातु (दक्षिण) कोयला ब्लॉक आबंटित किया है।

- भारत और विदेशों में कोयला खनन करने के लिए सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के साथ एक संयुक्त उपक्रम कंपनी "एनटीपीसी – एससीसीएल ग्लोबल वेन्चर्स प्राइवेट लिमिटेड" निगमित की गई।

- विदेशों से कोकिंग कोयला और तापीय कोयले का स्रोत खोजने के लिए एनटीपीसी, आरआईएनएल, सेल, एनएमडीसी और सीआईएल के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

- अरूणाचल प्रदेश के पेट्रोलियम ब्लॉक एनईएलपी–V का अन्वेषण कार्य पूर्ण प्रगति पर।

(ग) कार्यनीतिक पहलें

- "टेल्क" में लगभग 44.6 प्रतिशत हिस्से का अधिग्रहण करने के लिए केरल सरकार और "टेल्क" के साथ व्यवसाय सहयोग और शेयरधारक करार पर हस्ताक्षर किया गया।

- संयंत्र उपस्करों, कास्टिंग्स, फोर्जिंग, फिटिंग्स आदि का विनिर्माण करने के लिए नई सुविधा स्थापित करने हेतु भारत फोर्ज लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

- ईपीसी तथा उपस्करों के विनिर्माण से संबद्ध कार्यकलाप करने के लिए "भेल" के साथ संयुक्त उपक्रम करार पर हस्ताक्षर किया गया।

(घ) वैश्विक होने के पथ पर

- ऊर्जा सहयोग के लिए नाइजीरिया संघीय सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

- श्रीलंका में 2×250 मेगावाट कोयला–आधारित संयंत्र के लिए स्थल चिन्हित।

- संयुक्त अरब अमीरात से दो परामर्शी ऑर्डर प्राप्त हुए।

ऊर्जा प्रौद्योगिकी केन्द्र

- भाभा एटोमिक रिसर्च सेन्टर(बीएआरसी), मुंबई के साथ कोयला–आधारित ताप विद्युत संयंत्रों के बॉयलर ट्यूब निरीक्षण प्रणाली के विकास हेतु के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

- गैर–विशिष्ट आधार पर एनटीपीसी के विद्युत स्टेशनों में प्रयोग के लिए एनटीपीसी को अमोनिया आधारित फ्लू गैस शोधन प्रौद्योगिकी के अंतरण हेतु हैवी वाटर बोर्ड, मुंबई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

स्वच्छ विद्युत

- एनटीपीसी ने मार्च, 2008 तक 18.37 मिलियन से अधिक वृक्षों की हरित संपदा सृजित की है।

- एनटीपीसी के सभी पावर स्टेशनों को अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रमाणीकरण एजेंसियों द्वारा आईएसओ–14001 और ओएचएसएएस 18001 से प्रमाणित किया गया है।

- वर्ष 2007–08 के दौरान लगभग 23.7 मिलियन टन राख का उपयोग उत्पादक प्रयोजनों के लिए किया गया। जो पिछले वर्ष 20.7 मिलियन टन था ।

- एनटीपीसी के सभी कोयला–आधारित स्टेशनों में प्रायोगिक राख ईंट विनिर्माण संयंत्र। 446 मिलियन से अधिक राख की ईंटें निर्मित की गई।

- जल विद्युत परियोजनाओं के लिए, जल ग्रहण क्षेत्र शोधन (सीएटी), प्रतिपूरक वनरोपण और चारों ओर पौधा रोपण की स्कीमों को अंतिम रूप दिया गया और संबंधित राज्य सरकारों के परामर्श से कार्यान्वित किया गया।

नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व संबंधी पहल

- एनटीपीसी में कुल 424 शारीरिक रूप से निःशक्त व्यक्ति सेवा में हैं। कंपनी उनको एनटीपीसी संस्कृति में सुदृढ़ मानसिक आधार प्रदान करता है।

- एनटीपीसी फाउंडेशन शारीरिक रूप से निःशक्त व्यक्तियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को ऋण/प्रशिक्षण/चिकित्सा सुविधाएं प्रदान कर रहा है।

- शारीरिक निःशक्त व्यक्तियों के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

- अब तक 10 डीजी (डिस्ट्रब्युटेड जेनरेशन) प्रोजेक्ट कमीशंड किये गए। 6 अन्य प्रोजेक्ट कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में है।

क्षेत्र समर्थन

- विद्युत मंत्रालय द्वारा प्रारंभ किए गए उत्कृष्टता में भागीदारी (पी आई ई) कार्यक्रम के अधीन एनटीपीसी को सौंपे गए विद्युत संयंत्रों ने 2859 मिलियन यूनिट का अतिरिक्त उत्पादन सुनिश्चित किया जो 440 मेगावाट क्षमता के बराबर है।

- लगभग 40,000 गाँवों को शामिल करते हुए 6 राज्यों और एक संघ राज्य क्षेत्र में राजीव गाँधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के अधीन ग्रामीण विद्युतीकरण कार्य संतोषजनक ढंग से चल रहा है।

पुरस्कार एवं सम्मान

- वर्ष 2007 के लिए फोर्ब्स की प्रतिष्ठित लिस्ट में एनटीपीसी की रेंकिंग में 83 रेंकिंग का सुधार हुआ है और इसकी रेंकिंग 411वें स्थान पर रही है। यह रेंकिंग वर्ष 2006 में 494 थी । इस लिस्ट में विश्व की 2000 बड़ी कंपनियों का समावेश रहता है।

- एनटीपीसी को एशिया, 2007 में प्रथम स्वतंत्र विद्युत उत्पादक कंपनी का दर्जा दिया गया – "प्लाट्स शीर्ष 250 वैश्विक ऊर्जा कंपनी, 2007 सर्वेक्षण"।

- एनटीपीसी के चार विद्युत संयंत्रों ने वर्ष 2006–07 के दौरान भारत सरकार द्वारा सराहनीय कार्यनिष्पादन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया।

- एनटीपीसी के 12 कर्मचारियों को श्रम मंत्रालय द्वारा विश्वकर्मा राष्ट्रीय पुरस्कार 2006 प्रदान किया गया।

- नीतिगत और अच्छे नैगम अधिशासन के लिए लॉयला इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एडिमनिस्ट्रेशन (एलआईबीए) द्वारा स्थापित मदर टेरेसा पुरस्कार।

- ग्रो टेलेंट और बिजनेस वर्ल्ड, 2006 द्वारा भारत में कार्य करने के लिए "सातवें सबसे उपयुक्त स्थान" का दर्जा दिया गया।

- एनटीपीसी लगातार तीन वर्षों तक वेस्ट प्लेसेस टु वर्क इन इंडिया में अग्रणी रैंकिंग में रही । जिसके लिए इसे ग्रो टेलेंट द्वारा "लोक प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए स्वर्ण पुरस्कार" प्रदान किया गया।

- उत्कृष्ट नैगम अधिशासन, 2007 के लिए "गोल्डेन पिकॉक ग्लोबल अवार्ड" प्रदान किया गया।

- वर्ष 2005–06 के लिए अच्छे नैगम अधिशासन के लिए स्कोप मेरिटोरियस अवार्ड।

- एनटीपीसी के छः विद्युत संयंत्रों ने प्रतिष्ठित "सीआईआई–एक्जिम उत्कृष्टता पुरस्कार, 2007" प्राप्त किया।

- बड़े व्यावसायिक संगठनों में महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए सीआईआई–आईटीसी 'सस्टेनेबिलिटी अवार्ड 2007 सर्टिफिकेट ऑफ कमेडेशन' प्रदान किया गया।

- एनटीपीसी ने डन एण्ड ब्रेडस्ट्रीट अमेरिकन एक्सप्रेस कारपोरेट अवार्ड, 2007 के लिए विद्युत क्षेत्र में शीर्ष भारतीय कंपनी का पुरस्कार प्राप्त किया।

- संगठनों में सर्वोत्तम कार्यान्वयन के लिए ग्राहक उत्कृष्टता के लिए "सैप–एसीई" पुरस्कार।

- विद्युत क्षेत्र में राष्ट्र को दीर्घकालीन योगदान और सेवा के लिए इन्फ्रालाइन ऊर्जा उत्कृष्टता पुरस्कार, 2007 प्रदान किया गया।

....